

□□□□ □□□□

जनसत्ता 18 सितंबर, 2014: □ कदम में मेरी मतिर सूची में पंद्रह न□ लोग शामिल हु□ □ कुछ मेरे शहर से थे, कुछ स्कूल या कॉलेज से□ दो-तीन से तो मेरा दूर तक क रश्ता नहीं था□ हां, मैं 'फेसबुक' की मतिर-सूची की बात कर रहा हूं, जहां हर रोज कुछ पुराने दोस्त दोबारा मिलते हैं, तो कुछ अनजान लोग न□ दोस्त बन जाते हैं□ यह दोस्ती कतिने समय तक कयम रहेगी, कतिना साथ नभा□ गी, दोस्ती के पैमानों पर खरी उतरेगी या नहीं, हम नहीं जानते□ फिर भी आजकल किसी से पहली या दूसरी मुलाकत होते ही हम उसके फेसबुक पर दोस्त पहले बन जाते हैं, वास्तविक जिंदगी में भले कभी दोस्ती के नाम पर दोबारा किसी के याद भी करें या नहीं□ फेसबुक पर होने वाली यह दोस्ती आजकल इतनी अहम हो गई है क अगर हम अपने किसी खास दोस्त के फेसबुक मतिर नहीं है तो समझा जाता है क हमारे बीच अवश्य कोई अनबन है या फिर हमारे रश्ते में खटास पैदा हो गई है□ साथ ही इस दोस्ती ने अपने कुछ न□ पैमाने ग□ ली□ है□ मसलन, अपने मतिर के हरेक फोटो के 'लाइक' करना, उसके हर पोस्ट पर 'कमेंट' करना और अपने पोस्ट के उसके साथ 'टैग' करना इसकी अनविार्यता हो गई है□

दोस्ती काने तक तो सब सही है, यह पुराने बछि□ यारों के भी मलियाता है□ □ क दूसरे के साथ अपने पल साझा करने क अवसर प्रदान करता है□ लेकिन यहां 'अनफ्रेंड' नामक छोटा-सा 'क्लिक' कफै है किसी दोस्ती के पल भर में खत्म करने के ली□ □ यह न तो दोस्ती के गहराई के समझता है, न दोस्ती के लम्हों के जानता है और न ही दोस्ती खत्म होने के मर्म के□ पहले कोई व्यक्ति दोस्ती के तो□ ने के ली□ हजार बार सोचता था, हर पहलू के जांचता-परखता था और मुश्किल हालात होने पर ही बहुत हमिमत जुटा कर किसी दोस्ती के खत्म करने क नरिणय करता था□ साथ ही उन तमाम करणों पर भी सोच लेता था, जिनके वजह से वह उस दोस्ती के खत्म करने जा रहा है□ वहीं इस फेसबुकिया दुनिया ने इन तमाम चरणों के समाप्त कर दिया है□ जब चाहे आप □ क बटन दबाते ही किसी खूबसूरत रश्ते के खत्म कर सकते हैं□ यह ठीक उस रिमोट कंट्रोल बम के तरह काम करता है, जो □ क बटन दबाने के साथ ही बना किसी संवेदना के हजारों लोगों की जिंदगी लील जाता है□

संवेदनाओं में आती कमी और रश्तों क कम होता महत्त्व दर्शाता है क आज हम जितनी तेजी से किसी से घुलमलि जाते हैं, उतनी ही तेजी से दूर भी हो जाते हैं□ फेसबुक पर होने वाली दोस्ती जसि प्रकार न□ मतिर के जो□ ने से पहले कोई सवाल नहीं पूछती, उसी प्रकार रश्ते के खत्म करने के ली□ भी किसी प्रकारिया क नरिधारण नहीं मांगती□ सवाल है क फेसबुक पर □ क क्लिक करने भर से क्या दोस्ती की वे सारी सीमा□ भी खत्म हो जाती है, जो उस रश्ते के मठिास थी? यह सोचना मानव मस्तष्क पर नरिभर करता है□ आखिर फेसबुक □ क मशीनी सेवा है, जो मानवीय संवेदनाओं से कौसों दूर है□ लेकिन हमारी संवेदना□ तो जीवति है□ इसली□ किसी के भी 'अनफ्रेंड' करने से पहले दोस्ती के मायनों पर □ क बार जरूर गौर कर लेना चाहि□ □

फेसबुक पेज के लाइक करने के ली□ क्लिक करें- <https://www.facebook.com/Jansatta>

ट्विटर पेज पर फॉलो करने के ली□ क्लिक करें- <https://twitter.com/Jansatta>

